(vi) Measures to check pollution of the water of river Muvathupuzha (Kerala)

SHRI SKARIAH THOMAS (Kottayam): The newsprint factory at Velloor, Kerala, is a central undertaking. The decision to set up this factory a few years back was widely welcomed in Kerala as the people thought that it was an important step in the industrialisation of the State. The factory has now started production. But unfortunately it has created a serious problem of pollution of water which affects thousands of people who are living in the nearby area.

The worst kind of pollution has taken place in the river Moovathupuzha. Water in this river is so pure and crystal clear that people use it for drinking purposes apart from irrigation and other purposes. The poisonous effluent being discharged from this factory have totally polluted this river with the result that the water is unfit to be used either for drinking purposes or for irrigation. This has seriously affected thousands of farmers, agricultural labourers etc. A request was made to the management of the factory by the citizens of that area that the effluent should be carried through pipes and discharged in the outer sea. But no effort was made in this direction. The result is that there is a popular agitation urging upon the authorities to stop the effluents being discharged into the river.

In this circumstances, I would request the Government to take serious note of this problem and take immediate steps to remedy the situation.

(vii) Fixation of Support price for wheat

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला) : मान्यवर, खाद, बिजली, सिंचाई, मजदूरी महंगाई आदि कारणों से गेहूं उत्पादन का लागत व्यय बहुत बढ़ गया है। दूसरी ओर बाजार में किसान अपने निजी प्रयोग के लिए मार्च 1983 के अन्त तक 300 से लेकर 400 रु० प्रति क्विटल गेहूं खरीदता रहा है। इस प्रकार किसान का गेहूं बेचते समय और स्वयं के उपयोग हेतु खरीदते समय मूल्य के अन्तर द्वारा दोहरा शोषण हो रहा है। यदि इस वर्ष किसान को उसके गेहूं का समर्थक मूल्य उचित दर से नहीं दिया जाता तो किसान का भविष्य में गेहूं उत्पादन का उत्साह कम हो जायेगा। वर्तमान लागत व्यय को देखते हुए प्रति क्विटल व्यय 200 रु० हो जाता है। इसलिये सरकार को गेहूं उत्पादन को प्रोत्साहन देने और किसान को बाजारी शोषण से मुक्ति दिलवाने के लिए यह आवश्यक है कि गेहूँ का मूल्य 225 रु० निर्धारित किया जाये।

मैं सरकार का ध्यान विशेष उल्लेख द्वारा दिलाना चाहता हूं। और मांग करता हूं कि 225 रु० प्रति क्विटल गेहूं का समर्थन मूल्य निर्धारित करने की तुरन्त घोषणा की जाये।

(viii) Completion of Second lane of Mahatma Gandhi Bridge between Patna and Hajipur

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : उपाध्यक्ष जी, बिहार में पटना और हाजीपुर के बीच महात्मा गांधी सेतु का निर्माण पिछले वर्ष काफी हो हल्ला करने के बाद हुआ लेकिन अभी तक भी पुल का एक ही भाग पूरा हुआ है। दूसरी लेन का निर्माण कार्य बन्द है। इसका परिणाम हो रहा है कि जरूरत से अधिक पुल पर भार पड़ रहा है। काफी दुर्घटनायें हो रही हैं। शीघ्र ही दूसरी लेन का निर्माण नहीं किया गया तो अवधि के पूर्व ही पुल टूट सकता है।

अतः केन्द्रीय सरकार से मांग है कि सरकार अविलम्ब पुल के अधूरे कार्य को पूरा करावे।

12.25 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS—1983-84 —*CONTD.*

Ministry of Defence—Contd.

MR. DEPUTY SPEAKER : The House will now resume discussion on Ministry of Defence. Prof. Nirmala Kumari Shaktawat will continue her speech.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़-गढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने अपने पिछले भाषण में रक्षा मन्त्रालय के बजट का समर्थन करते हुए कहा था कि इस समय जो कुछ भी हम व्यय कर रहे हैं वह वर्तमान देश की परिस्थितियों को देखते हुए बहुत कम है। रक्षा बजट में हम इस वर्ष 5,971 करोड़ रु० खर्च करेंगे। यदि विश्व के अन्य देशों से तुलना करें, विश्व मानचित्र पर दृष्टि डालें तो पता लगेगा 141 राष्ट्रों में अगर क्रम से लें तो भारत का स्थान 70वां आता है। हमारे पड़ौसी राष्ट्र बर्मा, इंडोनीशिया, पाकिस्तान और चीन हमसे अधिक खर्च अपनी रक्षा पर कर रहे हैं। अतः ऐसी स्थिति में मेरा निवेदन है कि रक्षा मन्त्रालय में जो व्यय किया जा रहा है उसमें वृद्धि होनी चाहिए। हम अपने पड़ोसी राष्ट्रों से अच्छे सम्बन्ध चाहते हैं। गुट निरपेक्ष सम्मेलन में भी इसी बात को मुद्दा हम बना कर चले थे। पाकिस्तान के साथ हमारे दोस्ताना सम्बन्ध कायम करने के लिए हमने भारत-पाक संयुक्त आयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए, परन्तु उसकी स्याही अभी तक सूख भी नहीं पायी थी कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मामला उठाया, जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान की रीढ़ की हड्डी के रूप में बताने लगा। यही नहीं अभी उन्होंने कई स्थानों पर ऐसे वक्तव्य दिए हैं जिससे उनकी नीति पर हमें संदेह होने लगता है। अभी जनरल जिया ने यह कहा है कि हिन्दुस्तान में 10 करोड़ मुसलमान असुरक्षित हैं और अपने आपको मुसलमान कहते हुए भी डरते हैं। इस प्रकार की 100 प्रतिशत झूठी बातें कर के जनरल जिया किस स्थिति में क्या करना चाहते हैं, यह उनके इरादों पर एक प्रश्न-चिन्ह हमारे सामने आ जाता है। वह कहते ही नहीं हैं, बल्कि व्यवहार में भी पाकिस्तान बहुत कुछ कर रहा है, जिसे हमें ध्यान से देखना चाहिए।

उन्होंने अपना रक्षा बजट दुगुना कर दिया है। 'सन्डे टाइम्स' में यह बात छपी है कि इस शताब्दी के अन्त तक पाकिस्तान इतना अधिक परमाणु शक्ति सम्पन्न हो जाएगा कि वह किसी भी राष्ट्र को उड़ा सकता है। इससे यह बात सिद्ध होती है कि पाकिस्तान परमाणु-बम बनाने में व्यस्त है। उन्होंने इसे 'इस्लामी बम' नाम दिया है ताकि धर्म के नाम पर वह मुस्लिम देशों की सहानुभूति अर्जित कर सके।

मुझे यह भी कहते हुए कोई शंका नहीं है कि साऊदी अरब ने पाकिस्तान को 8 अरब डालर गुप्त रूप से इस बम बनाने हेतु दिया है। चाइना ने तकनीक के साथ-साथ यूरेनियम भी दिया है। ऐसी स्थिति में जब यह बम तैयार हो जाएगा तो इसका परीक्षण कहां होगा, यह भी प्रश्नचिन्ह हमारे सामने हैं ? इसके लिए कई स्थानों के बारे में अनुमान लगाया जाता है, परन्तु यदि पाकिस्तान के